विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, 13 से 19 फरवरी 2025 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 34 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

जीवन में सच्चे लोगों की मदद भगवान किसी न किसी रूप में करते हैं. यह बात दीगर है कि उसे यह समझ में नहीं आता है. सदैव सच्ची सोच के साथ बिना किसी से छल किए जब आप अच्छा करेंगे तो आपका कोई कितना भी चाहे,बुरा नहीं हो सकता है. विश्वास से ही जीवन संवरता है.

पेज नंबर 2

पैसे की हाव कब तक इंसान को नीचे गिराती रहेगी

पेज नं.2

पूज्य शिव गुरू शर्मा महाराज जैसे संत हैं राष्ट्र के लिए आदर्श भूषण

पेज क्र.7

सहकारिता क्षेत्र में फिर एक बार सर्वश्रेष्ठ रही अभिनंदन अर्बन सहकारी बैंक,अवार्ड

पेज नं. 8

संघर्ष,समर्पण ही होता है जीवन में सफलता का सूत्र, मेहनत करें, सफलता तय-सुधीर महाजन

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

दोनों ही गठबंधनों में नहीं है ऑल इज वेल

एकनाथ शिंदे का पवार द्वारा किया गया सत्कार शिवसेना उबाठा को खला

राज्य सरकार में खत्म नहीं हो रही है उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की नाराजी

विशेष प्रतिनिधि,5 फरवरी

मुंबई-राज्य सरकार में विवाद और मतभेद खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अब महाविकास आघाड़ी में भी दरार देखी जा रही है. शरद पवार द्वारा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का दिल्ली में सत्कार करने को लेकर शिवसेना उबाठा की भौहें तन गई हैं. वहीं महायुति में भी सब कुछ ऑलवेल नहीं है. मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई बैठक में एकनाथ शिंदे की अनुपस्थिती को लेकर नाराजी देखी जा रही है. पालकमंत्री के चयन से लेकर मंत्रियों के विशेष अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर शिंदे की नाराजी बरकरार है. एकनाथ शिंदे का दिल्ली में राकांपा सुप्रीमों शरद पवार द्वारा सत्कार करने के बाद शिवसेना उबाठा में जबर्दस्त नाराजी व्याप्त है. शिवसेना नेता संजय राऊत के मुताबिक यह शिंदे ही थे, जिन्होंने भाजपा नेता अमित शाह से मिलकर शिवसेना को तोड़ा था. उनका सत्कार करना अनुचित है.

पहले आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से एकनाथ शिंदे को हटाने को लेकर नाराजी थी. उसमें नियमों में संशोधन करते हुए उन्हें शामिल किया गया था.सूत्रों के मुताबिक शरद पवार के हाथों एकनाथ शिंदे को मिले सम्मान से उद्धव ठाकरे नाराज हैं. बताया जा रहा है कि उद्धव ठकरे की इस नाराजगी का असर महाविकास आघाड़ी पर पड़ सकता है. दरअसल, कल दिल्ली में शरद पवार के हाथों एकनाथ शिंदे को महादजी शिंदे राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार दिया गया. ठाकरे सेना सूत्रों के मुताबिक उद्धव ठाकरे शेष पेज 2 पर

नागपुर में पकड़ा गया धर्म-कर्म में विश्वास करने वाला चोर

नागपुर- आमतौर पर चोर शब्द सुनते ही अलग प्रतिमा बनती है लेकिन नागपुर पुलिस द्वारा पकड़ा गया चोर अलग ही निकला. चोरी के पैसे से धर्म-कर्म करने वाला यह चोर फिलहाल चर्चा का कारण बना है. पुलिस ने एक अंतरराज्यीय गिरोह के मुखिया को धरदबोचा है, जो अलग अंदाज में चोरियां करता था. पकड़े जाने से पहले भी उसने चोरी की एक घटना को अंजाम दिया था. चोरी के बाद वह प्रयागराज महाकुंभ में स्नान भी करने पहुंचा. कुंभ में स्नान करने के बाद वह अयोध्या दर्शन के लिए पहुंचा.

इसके बाद फिर से उसने प्रयागराज महाकुंभ में स्नान किया, लेकिन उसे यह नहीं पता था कि नागपुर पुलिस उसके पीछे पड़ी है. इसके बाद भोपाल पहुंचते ही नागपुर पुलिस ने उसे धर दबोचा. ये आरोपी सिर्फ शादी वाले घरों में रिसेप्शन वाले दिन ही चोरी करता था.दरअसल, चोरों का यह सरदार आलीशान जिंदगी जीने का शौकीन है. चोरी करने के बाद किसी मॉडल की तरह यह आलीशान जीवन बिताता था. नागपुर की हुड़केश्वर पुलिस से इसे गिरफ्तार करने के बाद इसके पास से 18 लाख का माल बरामद किया है. आरोपी रजनीकांत केशव चानौरे मात्र 24 वर्ष का है, जो महाराष्ट्र के भंडारा जिले के रहने वाला है. हालांकि इसने महाराष्ट्र के अलावा छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के भी तमाम इलाकों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है. इसके खिलाफ इन राज्यों में दर्जनों मामले दर्ज हैं.हुड़केश्वर थाने के पुलिस निरीक्षक ने

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की पांचवी किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

इंसानियत का त्याग करता इंसान कब सुधरेगा

आज नैतिकता तथा बेईमानी ही इंसानियत का दुश्मन बन गई है. जिनसे जीवन की चाह की इच्छा रहती है और पैसे की चाहत में कभी कभी गरीब मरीज के साथ जो व्यवहार होता है, वही व्यवहार दुकानदार में आ गया है. अधिक कमाई की चाहत में फलों को इंजेक्शन देकर पकाने की बात हो अथवा बाजार में नए फलों के साथ ही नकली शीतपेय उतारा गया है, यह जहर बच्चे जब पिएंगे तो उन्हें कौन सी बीमारी घेरेगी, इसकी चिंता न तो जहर बनाने वालों को है और न इसे बेचने वालों को. आखिर पैसे की अंधी दौड़ कहां थमेगी, इस तरह का सवाल पैदा होता है. जबकि मरते समय जैसे आते हैं, वैसे ही जाना पड़ता है. मन में पाप का डर क्यों खत्म हो रहा है, इस पर चिंतन करने की जरूरत है. पैसे की अंधी भूख ने इंसान को कितना गिरा दिया है, इसके एक के बाद एक अनुभव आने लगे हैं. कभी नकली शराब, कभी नकली चावल और कभी फलों के साथ छेड़छाड़ जैसी घटनाओं के बाद अब बच्चों के पसंदीदा कोल्ड्रिंक्स भी नकली होकर जिले में पहुंच रहे हैं. दुकानदारों से सामाजिक दायित्व की भावना से यह उम्मीद की जाती है कि वे आजीविका चलाएं लेकिन खाद्य वाली वस्तुओं में नकलीपन का जहर घोलकर लोगों की जिंदगियों से खिलवाड़ नहीं करें. बाजार में आज खान-पान का पूरा गणित बिगड़ा है, यही कारण है कि कैंसर, किडनी की समस्या, लीवर की बीमारी के साथ ही फेफड़े के लिए समस्या पैदा होने लगी है. लेकिन हैरत इस बात को लेकर है कि प्रशासन द्वारा मामले में लापरवाही का आलम यह है कि भीड़भाड़ वाले इलाके में नाश्ते की गाड़ियों पर घरेलू सिलेंडरों का उपयोग धड़ल्ले से होता है लेकिन किसी का ध्यान देने की फुर्सत नहीं है. बड़ी घटना होने तथा लोगों की मौत होने के बाद जांच अभियान के नाम पर कुछ दिन नौटंकी चलती है और बाद में बंद हो जाती है. शहर के जरिए कई चीजों का आयात और निर्यात किया जाता है. हर गर्मियों में मेलघाट में बड़ी मात्रा में नकली कोल्ड्रिंक्स का आयात किया जाता है. चूंकि अन्न एवं औषधि प्रशासन का इन नकली कोल्ड्रिंक्स के आयात पर कोई नियंत्रण नहीं है, इसलिए एक गंभीर तस्वीर उभर कर सामने आ रही है. इस क्षेत्र से जुड़े संबंधित आयातक नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं. हैरत तो इस बात की है कि खान-पान से जुड़ा विभाग रहने के बाद भी इसमें बड़े पैमाने पर पद रिक्त रहने से काम करने वाले अधिकारियों पर भारी दबाव देखा जा रहा है. इस दबाव के कारण वे भी कुछ नहीं कर पाते हैं. हरामखोरी के माध्यम से कमाई दौलत कुछ समय राहत देती है लेकिन जब तकलीफ देती है तो असहृय हो जाता है.

ऐसे संत हैं देश के लिए आदर्श भूषण

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

ज़ीवन में कुछ ही लोग ऐसे होते हैं, जो सदैव अपने कार्यों से अमित छाप छोड़ते हैं. 450 गौमाता की सेवा करने वाले गोलोकधाम के संचालक और जाने-माने भागवताचार्य, शिव महापुराण कथाकार उज्जैन जिले के उन्हेल निवासी पूज्य शिव गुरू शर्मा महाराज भी ऐसे ही आदर्श संत हैं. ढकोसले की बजाय जीवन में सच्चाई का जहां दर्शन करवाते हैं, वहीं जीवन में आदर्श दूसरों को ही नहीं बताते बल्कि स्वयं भी इस पर अमल करते हैं. गौमाता की सेवा का नारा लगाना बहुत आसान रहता है, राजनीतिक दलों और विभिन्न संगठनों के लिए यह आसान होता है लेकिन बात जब गौमाता की सेवा की आती है तो यह कितना योगदान देते हैं, यह सोच का विषय है. जिस दिन गौमाता को लेकर सभी के दिल में प्रेम हो जाएगा, उस दिन गौमाता कभी किसी कसाई के हाथ में नहीं जाएगी. लेकिन दूसरों को

पण्डित शिव गुरू उन्हेल उज्जैन

उपदेश देने और दिखाने की मानसिकता रहती है. घायल गौमाता जब भी उनके आश्रम में आती है तो डाक्टरों की टीम द्वारा जब तक उपचार किया जाता है, वे स्वयं उपस्थित रहते हैं.कटने के लिए जाने वाली गौमाता को रोककर किसी गौशाला में भेजना ही बहादुरी नहीं होती है, बल्कि ऐसी गौमाता के चारा-पानी के इंतजाम में सहयोग देना भी जरूरी होता है. लेकिन यह बात बहुत कम दिखाई देने की बात उन्होंने कही. अमरावती में मालीपुरा में शिव महापुराण कथा के लिए जब आए थे तो ज्ञानशांति उपवन में रहने वाले बुजुर्गों के लिए सत्संग का आग्रह विदर्भ स्वाभिमान ने किया था, उन्हों ने तमाम व्यस्तता के बाद भी इसे न केवल सहर्ष स्वीकार किया, बल्कि 28 जनवरी से 5 फरवरी तक उन्हों ने यहां सत्संग कर बुजुर्गों के जीवन में खुशियां लाने का कार्य किया. आज व्यावसायिक दौर में इस तरह के संत,आचार्य देश के लिए किसी भूषण से कम नहीं होते हैं. विदाई के दिन हॉल में उपस्थित हर व्यक्ति की आंखों में आनंदाश्रु थे, धन्य हैं गुरूदेव.

धर्म-कर्म में विश्वास रखने वाला चोर

पेज 1 से जारी-बताया कि इसकी कार्य शैली दूसरे अपराधियों से काफी अलग है. ये आलीशान जीवन बिताता है. इसके बाद 2 लाख रुपये का मोबाइल, लग्जरी कार, ब्रंडेड कपड़े और घड़ी हैं, जिनका ये शौकीन है. उन्होंने बताया कि जिन घरों में शादी रहती है, उन्हीं घरों में ये चोरी की घटना को अंजाम देता था. विवाह के चलते दो-चार दिन पहले ही पंडाल घरों के सामने लग जाते हैं. ऐसे में रजनीकांत पंडाल लगे शादी वाले घर को ढूंढता था. रिसेप्शन के दिन सभी सदस्य शाम को घर से रवाना हो जाते हैं. इसी का फायदा उठाकर रजनीकांत रात 8 से 10 बजे के दौरान चोरी करता था. चोरी करने के बाद आरोपी वहां से 2 किलोमीटर दूर अपनी कार रखता था. इसके बाद गलियों से होते हुए वह पीछे के हिस्से से विवाह वाले घर में प्रवेश करता था और नकदी तथा गहने लेकर फरार हो जाता था. चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के बाद वह धार्मिक स्थलों पर पहुंच जाता या. यहां पर तीन-चार दिन तक रहता था, फिर अगले लक्ष्य की तरफ बढ़ता था.

वहीं पॉस इलाकों में महंगे किराए का मकान लेकर रहता था. उसकी लाइफस्टाइल देखकर किसी को भी अंदेशा नहीं होता कि यह प्रोफेशनल चोर है. नागपुर में चोरी करने के बाद आरोपी रजनीकांत ने प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान किया. फिर वहां से अयोध्या रामलला के मंदिर में दर्शन किए. इसके बाद वह फिर से महाकुंभ में स्नान किया. इससे पहले भी उसने चोरी के बाद पंचमढ़ी में नाग देवता का दर्शन किया, पंचमढ़ी घूमा और पंचमढ़ी के धार्मिक स्थलों का दर्शन किया.

गठबंधनों में नहीं है ऑल इज वेल

पेज 1 से जारी- ने शरद पवार के हाथों पर एकनाथ शिंदे को सम्मानित किए जाने पर नाराजगी जताई है. सूत्रों के मताबिक शिवसेना उबाठा का कहना है कि कि शिवसेना तोड़ने वाले एकनाथ शिंदे का सम्मान शरद पवार को नहीं करना चाहिए. शरद पवार को ठाकरे परिवार की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए था. यह मामला गहराने और महाविकास आघाड़ी में दरार डालने वाला साबित होने की संभावना जताई जा रही है.सांसद संजय राउत ने कहा- क्या आप जानते हैं कि यह पुरस्कार किसने दिया? राजनीतिक नेताओं को दिए जाने वाले ऐसे पुरस्कार या तो खरीदे जाते हैं या बेचे जाते हैं.' बता दें कि एकनाथ शिंदे को दिल्ली में होने वाले 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उपलक्ष्य में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में पवार द्वारा महादजी शिंदे राष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इस मौके पर एकनाथ शिंदे ने इस मौके पर शरद पवार की तारीफ भी की. शिंदे ने कहा कि यह उनसे सीखने वाली बात है कि राजनीतिक क्षेत्र से परे जाकर अच्छे संबंध कैसे बनाकर रखे जा सकते हैं.इस बीच उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, पवार गुगली गेंदें भी फेंकते हैं, जिन्हें समझना मुश्किल होता है. मेरे पवार के साथ अच्छे संबंध हैं, लेकिन उन्होंने मुझे कभी गुगली नहीं फेंकी. मुझे पूरा भरोसा है कि वह भविष्य में भी मुझे गुगली नहीं फेंकेंगे. शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं, जिससे ढाई साल की कम अवधि में राज्य में विकास कार्य सुनिश्चित हुए.शिंदे ने कहा कि शरद पवार महाराष्ट्र में इतने कम समय में हुए विकास कार्यों के भी गवाह रहे हैं. शिंदे ने आगे कहा, वह (पवार) मुझे अक्सर फोन करते हैं. किसी को पवार से सीखना होगा कि राजनीतिक सीमाओं से परे जाकर रिश्ते कैसे बनाकर रखे जाते हैं. बता दें कि दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 98वां अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन 21 से 23 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा. पवार सम्मेलन की स्वागत समिति के अध्यक्ष हैं. राज्य की राजनीति में दरार देखी जा रही है.

उपमुख्यमंत्री शिंदे की नाराजी है बरकरार

राज्य में सरकार बनने के बाद से ही शिवसेना शिंदे गुट के प्रमुख एकनाथ शिंदे की नाराजी जो शुरू हुई तो वह अभी भी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है. पार्टी सूत्रों के मुताबिक राज्य सरकार में भाजपा और शिवसेना शिंदे गुट में शह और मात का खेल शुरू है. बुधवार को मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई बैठक में उपमुख्यमंत्री शामिल नहीं हुए. उनके कार्यालय द्वारा यद्यपि इसके लिए पहले ही कार्यक्रम बनने का दाखिला दिया गया. लेकिन पार्टी सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है. ऐसे में राज्य में फिलहाल महायुति के साथ ही महाविकास आघाड़ी में भी दरार वाली स्थिति है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

अभिनंदन बैंक सर्वश्रेष्ठ बैंक पुरस्कार से सम्मानित

विदर्भ अर्बन बैंक्स एसोसिएशन फेडरेशन ने अध्यक्ष एड.बोथरा को प्रदान किया अवार्ड

विदर्भ स्वाभिमान, 12 फरवरी

अमरावती- सहकार रत्न सहित दो दर्जन से अधिक पुरस्कार प्राप्त करने वाली अभिनंदन बैंक की शान में फिर एक बार चार-चांद लग गए. बैंक को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. इस उपलब्धि के लिए बैंक के अध्यक्ष, संचालक, अधिकारी तथा कर्मचारियोंा की सराहना की जा रही है.

विदर्भ स्तर पर कार्यरत सभी सहकारी समितियाँ सर्वश्रेष्ठ बैंक का पुरस्कार प्रतिवर्ष बैंक से सम्बद्ध उन संस्थाओं को दिया जाता है जो उत्कृष्ट कार्य करती हैं, सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना रखती हैं, समाज एवं राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए बहुमूल्य कार्य करती हैं तथा रिजर्व बैंक के आदर्श मानकों एवं मानदण्डों को भी पूर्ण करती हैं, उसके द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप बैंक का संचालन करती हैं, आधुनिक तकनीक का उपयोग करती हैं, उत्कृष्ट, तीव्र एवं त्वरित ग्राहक सेवा प्रदान करती हैं तथा बैंकिंग क्षेत्र में नए विचारों को अपनाकर निरंतर प्रगति करती हैं. वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बैंक को यह पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है. विदर्भ अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक एसोसिएन, नागपुर से पुरस्कार प्राप्त किया. बैंक को यह परस्कार मंगलवार को प्रदान किया गया. 11 फरवरी 2025 को महाराष्ट्र के शेगांव राज्य के सहकारिता राज्यमंत्री डॉ. पंकज भोयर द्वारा अभिनंदन बैंक के अध्यक्ष एड.विजय बोथरा तथा सहयोगियों को

यह पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.विजयजी बोथरा, निर्देशक कंवरीलालजी ओस्तवाल, किशोर बोकारिया, राजेंद्र भंसाली ने आभार माना. डॉ. पंकज भोयर को अभिनंदन बैंक द्वारा प्रकाशित पुस्तिका 'अर्थसरिता' भेंट की.विदर्भ अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक एसोसिएन, नागपुर द्वारा विदर्भ के सभी सदस्य सहकारी बैंकों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और निदेशक मंडल के लिए शेगाँव में दो दिवसीय कार्यशाला और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया.कार्यक्रम का उद्‌घाटन महाराष्ट्र राज्य के श्रम मंत्री आकाशजी फुंडकर ने किया. बैंक के निदेशक आकाश फुंडकर को बैंक द्वारा प्रकाशित पस्तिका 'अर्थसरिता' भेंट की गई. उन्होंने इसका अवलोकन करते हुए इसकीसराहना की.

इस अवसर पर बैंक की जानकारी देते हुए एड.विजय बोथरा ने कहा कि बैंक के सभी कर्मचारियों ने उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान की, इसलिए बैंक को 31 मार्च 2024 तक कारोबार 567 करोड़ रूपए, बैंक की जमा राशि 342 करोड़ रूपए, ऋण 225 करोड़ रूपए, निवेश 135 करोड़ रूपए, शुद्ध लाभ 3 करोड़ 97 लाख रूपए तथा बैंक का सीआरएआर 1.5 करोड़ रूपए था. यह 20.47 फीसदी है. बैंक का सकल एनपीए यह 0.38 फ़ीसदी है और शुद्ध एनपीए यह 0प्रतिशत है.जो रिकार्ड है. अधिवक्ता ने बताया कि प्रगति पथ पर बैंक के स्वयं के स्वामित्व वाले 'अभिनंदन हाइट्स' भवन का निर्माण कार्य चल रहा है तथा बैंक का प्रधान कार्यालय एवं नई कैंप रोड शाखा शीघ्र ही ग्राहक सेवा के लिए खोल दी जाएगी.बैंक के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग ने अर्थसरिता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. व्यवसाय के साथ सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाती है. बैंक हमेशा से ही अपने ग्राहकों को आधुनिक तकनीक के साथ त्वरित और विनम्र सेवा प्रदान करता रहा है. हाल ही में बैंक ने मकर संक्रांति के लिए विशेष रूप से अंबा अभिनंदन नामक एक नई जमा योजना शुरू की है. यह 125 दिनों की जमा राशि पर 8.25 फीसदी की आकर्षक ब्याज दर की पेशकश कर रही है. बैंक के चेयरमैन एडवोकेट ने ग्राहकों को सीमित अवधि के लिए इस योजना का पूरा लाभ उठाने की चुनौती दी है. बैंक के अध्यक्ष एड. विजय बोथरा ने बताया कि बैंक ने बडनेरा, परतवाड़ा, अचलपुर और बैंक की नई खुली कैंप शाखा (मुख्य शाखा प्रभात चौक में कैंप शाखा में लॉकरों की बुकिंग चल रही है) में ग्राहकों के लिए अत्यधिक सुरक्षित डबल डोर बायोमेट्रिक लॉक के साथ छह अलग-अलग आकारों में लॉकरों की सुविधा शुरू रहने और ग्राहकों का अपार प्रेम बैंक को मिलने की जानकारी दी.

एसोसिएशन को मिला यह पुरस्कार बैंक के काम और प्रतिष्ठा का प्रमाण है. इस पुरस्कार ने न केवल सहकारी क्षेत्र में अभिनंदन बैंक को प्रसिद्ध किया है, बल्कि अमरावती जिले को भी राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध किया है. बैंक के अध्यक्ष एडवोकेट का दृढ़ विश्वास है कि बैंक के सभी सदस्यों, जमाकर्ताओं, खाताधारकों एवं शुभचिंतकों का अमूल्य सहयोग भविष्य में भी बैंक की उज्ज्वल प्रगति के लिए जारी रहेगा तथा बैंक उत्तरोत्तर प्रगति करता रहेगा.विदर्भ स्तर पर अभिनंदन बैंक को प्राप्त पुरस्कारों के लिए विभिन्न स्तरों पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा अभिनंदन बैंक परिवार को हार्दिक बधाई दी जा रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

क़वि पवन नयन जायसवाल राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त

अमरावती के समाजबंधुओं में हर्ष की लहर,समाज द्वारा अभिनंदन का वर्षाव

विदर्भ स्वाभिमान, 12 फरवरी

अमरावती- जिले के सुख्यात हिंदी कवि, सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले पवन नयन जयस्वाल की नियुक्ति समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पद पर की गई है. इससे समाज में अपार हर्ष कीलहर है. उनका सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है.

अखिल भारतीय जायसवाल (सर्ववर्गीय) महासभा के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकिशोर (पापा) मोदी और चयन समिति ने महासभा के सत्र (2025-28) के लिए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पद पर अमरावती के पवन नयन जायसवाल को नियुक्त किया है. इसके साथ ही भगवान श्री सहस्रार्जुन एवं उनकी वीर गाथा के प्रभारी का अतिरिक्त दायित्व भी सौंपा गया है. सामाजिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले पवन नयन जयस्वाल बहुगुणी व्यक्तित्व के धनी हैं. इस जिम्मेदारी पर उनका समाजबंधुओं द्वारा अभिनंदन करते

हुए सैकड़ों ने उन्हें शुभकामनाएं भी दी है. उन्होंने भी समाज द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को बेहतरीन ढंग से निभाने और समाज की मजबूती के लिए प्रयास करने का भरोसा विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए दिलाया. साथ ही समाज द्वारा जताए गए विश्वास के लिए सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की.

जायसवाल, कलाल, कलचुरि समाज के इंदौर, भोपाल, ओंकारेश्वर, जयपुर, हरिद्वार, नागपुर, हैदराबाद, मुंबई और अंबेजोगाई सहित अन्य स्थानों पर आयोजित चिंतन बैठक, राष्ट्रीय अधिवेशन, सामुहिक विवाह और सम्मेलनों में आमंत्रित और सहभागी रहे कवि, साहित्यकार पवन नयन जायसवाल रक्तदान, शैक्षणिक, सामाजिक, धार्मिक, क्रिडा, स्वास्थ्य और व्यापार क्षेत्र से जुड़े और कई संगठनों के पदाधिकारी एवं आजीवन सदस्य हैं.

अखिल भारतीय स्तर पर कलाल, कलचुरि समाज के सभी वर्गों की उन्नति, प्रगति, विकास और एकीकरण के साथ राष्ट्र निर्माण के लिए कार्यरत अखिल भारतीय जायसवाल (सर्ववर्गीय) महासभा के राष्ट्रीय महाअधिवेशन में देशभर के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नवनियुक्त अध्यक्ष और नई कार्यकारिणी का पद ग्रहण समारोह संपन्न हुआ जिसमें पवन नयन जायसवाल के कार्य को देखते हुए राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष से पदोन्नत कर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है.

धर्म की स्थापना व अधर्म नाश के लिए अवतार लेते हैं

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-6, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. प्रथम किश्त यहां दे रहे हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है. जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण www.vidarbhswabhiman.com शेष अगले अंक में

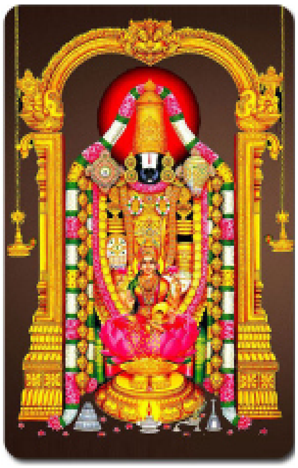

पिछले अंक से आगे-देव अब आपको मन में जो आयेगा आप ही निर्णय कर लीजिए.जगत के लिए भी वही हितकर होगा. ऐसा गरुड ने पुन स्वामी को नमस्कार करते हुए विनती की.फिर वराह स्वामी ने गरुड की ओर करुणा दृष्टि से देख कर कहा. हे महाशक्तिवान खगेंद्र अब मैं वहाँ नहीं आऊँगा .धरती पर रहनेवाले दानवों का संहार करके शिष्ट जनों की रक्षा करूँगा. अब तुम शीघ्र ही वैकुंठ पहुंच कर लक्ष्मी को यह समाचार देकर क्रीडाचल को उठाकर यहाँ पर ले आओ.अब तुम निकलो. तब गरूड ने स्वामी को नमस्कार करके वैकुंठ का रास्ता नापा. इधर वराह स्वामी ने बसने के लिए धरती पर अपने लिए अनुकूल प्रदेश खोज करना शुरु किया. चारों तरफ उन्होंने अनेक प्रदेश देखे.स्वामी तब गोदावरी नदी के दक्षिण में साठ योजनाओं से दूर पूरब में सागर से पश्चिम में पाँच योजनाओं से दूर दक्षिण में रहनेवाली सुवर्णमुखी के उत्तर में स्थित एक दिव्य स्थल को देखा. उन्हें वह अनुकूल लगा. तब वे गरुड के लौटने की प्रतीक्षा करने लगे.

गरुड के व्दारा श्रीमहालक्ष्मी को स्वामी की आज्ञा को सुनाना

खगेंद्र गरुड ने वैकुंठ पहुँच कर रमा देवी को नमस्कार करके विनती करते हुए उनसे कहा. हे माई श्री हरि ने महोग्र रूप धारण करके दानव हिरण्याक्ष का संहार किया है. रसातल में पानी में डूबनेवाली धरती का उध्दार किया है. धरती को फिर से यथास्थान पर खड़ा किया वहीं पर बसने का संकल्प भी किया. वहीं पर क्रीडाचल को लाने की आज्ञा भी दी है. इसलिए मैं उसे ले जाने यहाँ आया हूँ. कृपया उस पहाड़ को ले जाने की अनुमति दीजिए. तब लक्ष्मी ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा-श्रीहरि के उस अद्भुत एवं वैभवपूर्ण रूप को मैं भी देखना पसंद करती हूँ. शीघ्र ही उन्हें यहाँ ले आओ. तब फिर करुणा से लक्ष्मी की वंदना करके गरुड ने फिर से कहा. मैंने बहुत विनयशील होकर उन्हें यहाँ बुलाया है. फिर भी उन्होंने भूदेवी को छोड़कर यहाँ नहीं आने की बात कही है. हे माई बहुत निष्ठुर होकर उन्होंने यह कहा. सूकर के उग्र रूप में रहनेवाले स्वामी को देखकर आप भयभीत हो जाएँगी, कहकर इनकार किया है. तब लक्ष्मी ने हँसकर गरुड से इस रूप में कहा.

श्री लक्ष्मी के संवाद-मैं सदा उनकी अनुयाइनी हूँ. यह जानते हुए भी आश्चर्य की बात है कि उन्होंने इस रूप में क्यों कहा है. मुझे तो यह किसी की माया है लग रहा है. उनके किसी भी रूप में रहने पर भी मैं भी उसी प्रकार का रूप धारण करके निश्चित एवं निश्चल मन के साथ उनके साथ रही हूँ. सदा उनके हृदय में बसी हूँ. आज उनका इस रूप में व्यवहार मुझे नया लग रहा है. खगेंद्र अगर वे यहाँ पर नहीं आना चाहते है तो मैं ही वहाँ जाकर उनके साथ आनंद से रहूँगी. धरती पर उनके महिमान्वित वक्षस्थल पर रहूँगी. इसके पहले भी कठोर प्रलय के समय मैं उनके वक्षस्थल पर ही रही. स्वामी के कूर्म रूप धारण करके सागर में डूबने पर भी मैं उनके हृदय में ही रही. अंगुष्ट मात्र लघु रूप में पत्ते पर शयन करते समय भी मैं उनके हृदय में ही रही. अंगुष्ट मात्र लघु रूप में पत्ते पर शयन करते समय भी मैं उन्हीं के साथ रही. चंद्र और चांदनी के कभी अलग नहीं होने की तरह मैं सदा उन्हीं के साथ रही. अब उनसे अलग कैसे रह पाऊँगी. किसी भी रूप में यहाँ के परिवार के लोगों के साथ वहाँ धरती पर उस उग्र रूपधारी स्वामी के वक्षस्थल पर ही रहूँगी.हे निर्मलात्मा मुझे भी वहीं ले चलो. मोद से भूदेवी के साथ क्रीड़ा करनेवाले स्वामी के पास ही मुझे भी इस क्रीडाचल के साथ ले चलो.

गरुड के व्दारा क्रीडाद्रि को लाना-लक्ष्मी इस रूप में गरुड से कह कर परिवार समेत अपनी सारी कलाओं को वैकुंठ में ही छोड़ कर सिर्फ एक कला के साथ क्रीडाचल पहाड़ पर चढ़ गयी. तब गरुड लक्ष्मी की आज्ञा का पालन करते हुए क्रीडाद्रि को जड़ से उखाड़ कर अपने सर पर लाद कर शीघ्र ही धरती पर उतरते समय क्रीडाद्रि पर रहनेवाली लताएँ हवा में झूमने लगी. फूलों की वर्षा होने लगी. सुवर्णगिरी पर नीलाद्रि की तरह सुवर्ण वेषधारी गरुड के सर पर क्रीडाचल बहुत अब्दुत लग रहा था. तब पूरा आकाश भी स्वर्णिम रंग से दिव्य कला से उद्दीप्त हुआ. चंदन ,जंबीर ,चंपक, वकुल अदि फूल-फूल वृक्ष- लताओं से लद कर सुवर्ण, महापत्नों की कांति से सुशोभित उस उन्नत शिखरों वाले क्रीडाचल को , नीलकंठ मोर ,शुक आदि विहंगो के कलरव से प्रतिध्वनित होनेवाले क्रीडाचल को कमल-नीलकमल आदि पुष्पराजों की सुगंध से भरे क्रीडाचल को, अत्यंत ललित सिध्द पुरुषों की मुक्ति का माध्यम बना दिया.जिन्हें विश्वास होता है, गोविंदा की भक्ति का अनुभव उन्हें मिलता है.

शेष अगले अंक में पढ़ें

विदर्भ स्वाभिमान

जीवन भी एक रंगमंच है, हर व्यक्ति को अपना किरदार निभाना पड़ता है. लेकिन वह किस तरह से निभाता है, यह उसके लिए अत्याधिक मायने रखता है. सही तरीके से निभाया गया किरदार कभी भुलाया नहीं जाता है, उसी तरह गलत तरीके से निभाया गया किरदार कभी भुलाया नहीं जाता है. ऐसे में अपना किरदार ऐसे निभाओ कि तुम नहीं रहने के बाद भी लोगों के दिमाग और दिल दोनों में रह जाओ.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

मानवता के लिए भी रत्न हैं डॉ.राजेश जवादे

19 फरवरी को जन्मदिन पर विशेष

माता-पिता के भक्त के साथ ही मानवता की सेवा में समर्पित किया है पूरा जीवन, सम्पन्नता में भी विनम्रता के हैं परिचायक

अमरावती- शहर ही नहीं तो राष्ट्रीय स्तर के नेत्र शल्य चिकित्सव डॉ. राजेश जवादे जितने बेहतरीन डाक्टर हैं, उससे भी बेहतरीन इंसानियत से परिपूर्ण और राष्ट्रधर्म तथा जीवन में छत्रपति शिवाजी महाराज को अपना जीवन आदर्श मानने वाले व्यक्ति हैं. अभी तक विदर्भ रत्न सहित दर्जनों पुरस्कार हासिल करने के बाद भी उनका स्वभाव और सम्पन्नता में भी उनकी विनम्रता किसी को भी प्रभावित करती है. अच्छे काम में सदैव सहयोग करने के साथ ही दिव्यांगों , गरीबों , बुजुर्गों की मदद के लिए तत्पर रहते हैं. जिला अस्पताल में सेवा के दौरान जहां मेलघाट जैसे आदिवासी बहुल इलाके में मोतियाबिंदु का ऑपरेशन शिविर लिया. पिछले 15 साल से उनके साथ संबंधों के दौरान उनके इंसानियत के कई पहलुओं को समझने का मौका मिला. माता-पिता के आदर्श बेटे के रूप में जहां परिवार के लिए आदर्श हैं. दिल के राजा डॉ. जवादे को विदर्भ रत्न सहित अभी तक दर्जनों पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं. नेत्रदान के साथ ही गरीब मरीजों के मामले में उनकी उदारता सभी जानते हैं. उनका 19 फरवरी को जन्मदिन है, विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, माता महालक्ष्मी के चरणों में यही कामना. वे सफलतम डाक्टर के साथ ही सभी की भावनाओं की कद्र करने वाले व्यक्ती होने से लाखों मित्र परिवार तैयार किया है. शहर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं राष्ट्रीय स्तर के सुख्यात नेत्र सर्जन, महालक्ष्मी नेत्रालय के संचालक डॉ. राजेश जवादे हरदिल अजीज व्यक्तित्व डॉ. राजेश जवादे जितने बेहतरीन नेत्र शल्य चिकित्सक हैं, उससे भी बेहतरीन इन्सान हैं. उनके स्वभाव की सादगी, नेत्र मरीजों की सेवा को लेकर समर्पण सभी को आकर्षित करता है. जितने बेहतरीन वे डाक्टर हैं, उससे भी बेहतरीन इन्सान हैं. डॉ. राजेश जवादे

की हर मामले में सटीक राय रहती है. कोरोना महामारी के दौरान भी उन्होंने जिस तरह से जनहित में स्वयं को झोंका था, मरीजों की सेवा की थी, वह भी अपने आप में आदर्श उदाहरण है. बेहतरीन डाक्टर के साथ ही सामाजिक सेवा के लिए अमरावती रत्न के सम्मान से नवाजे गए डॉ. राजेश जवादे सर ने दो महीने के बच्चे से लेकर 103 साल के बुजुर्ग का नेत्र ऑपरेशन किया है. उनके कुशल नेतृत्व में संचालित होने वाला एसटी स्टैन्ड रोड स्थित महालक्ष्मी नेत्रालय गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए भी आशा की किरण बना है.बातचीत में डॉ. जवादे कहते हैं कि मरीज उनके लिए प्रथम प्राथमिकता रहते हैं. उनका कहना है कि मरीजों की सेवा से उन्हें अपार हर्ष मिलता है. सर के काम तथा उनकी व्यस्तता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुबह 5 बजे से उनकी दिनचर्या शुरू होती है. वह रात तक चलती रहती है. उनके मुताबिक मरीज सेवा से उन्हें अपार संतुष्टि मिलती है. वे कहते हैं कि जिस तरह से आत्मीयता से मरीज उनका इंतजार करते हैं, इसके चलवे सदैव प्रयास करते हैं. मरीजों के विश्वास को अपनी सबसे बड़ीं पूंजी मानते हैं. वे स्पष्ट करते हैं कि आज पैसे को लोगों द्वारा हद से ज्यादा महत्व दिया जाता है. लेकिन ऊपरवाले और माता-पिता के आशिर्वाद से उनके पास सब कुछ है. लेकिन इसके बाद भी मरीजों के विश्वास, उन्हें राहत देने के लिए वे प्रयास करते हैं.

सामाजिक कामों में भी सेवा के क्षेत्र में भी डॉ. राजेश जवादे सदैव सक्रिय रहते हैं. अभी तक रोटरी, लायन्स क्लब द्वारा आयोजित शिविरों में हजारों मरीजों को सेवाएं दी हैं. जिला सामान्य अस्पताल में नेत्र शल्य चिकित्सक रहते समय आदिवासी मेलघाट,धारणी जैसे क्षेत्रों में विशेष शिविर लेकर हजारों गरीबों, जरूरतमंदों को सेवा देने का काम किया है. हिंदुत्व की महत्ता के साथ ही सर्वधर्म समभाव को महत्व देने वाले डॉ. राजेश जवादे का कहना है कि जीवन में मानवता से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है.भारत विभिन्न राज्यों, धर्म, पंथ, जाति, समूहों का देश है. हर एक की अपनी सोच है. लेकिन इसके बाद भी देश में मजबूत लोकतंत्र है. उनका कहना है कि अपनी ओर से हर व्यक्ति को जितना संभव हो सके,सहयोग देने का प्रयास करना चाहिए. इससे अपार खुशी मिलती है. जब हम खुशियां बांटते हैं तो वह पलटकर हमारे पास आती हैं. लेकिन जब किसी को दुखी करते हैं तो वह भी हमारे पास ही पलट कर आती हैं. ज़ीवन में सभी को खुशियां बांटने का प्रयास करने वाले की खुशियों को प्रभु कभी कम नहीं होने देते हैं. सर को जन्मदिन की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.स्वस्थ रहें, मस्त रहें यही प्रभु चरणों में कामना.

विदर्भ स्वाभिमान परिवार.

शुभेच्छुक - महालक्ष्मी नेत्रालय के सभी कर्मचारी, डॉ. जवादे मित्र मंडल और असंख्य मित्र परिवार, अमरावती, यवतमाल.

शुभेच्छुक - विदर्भ स्वाभिमान अखबार, सचिन मेश्राम, हंसराज श्रीरामे, सुभाष दुबे, सत्यप्रकाश दुबे तथा दुबे परिवार, अमरावती.

महालक्ष्मी नेत्रालय के संचालक, विदर्भ रत्न सहित अनगिनत पुरस्कारों से सम्मानित डॉ.राजेश एस. जवादे को जन्मदिन 19 फरकवरी पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

डॉ. राजेश जवादे मित्र परिवार, अमरावती.

सफल व्यवसायी,सेवाभावी व्यक्तित्व हैं रामेश्वर उपाध्याय

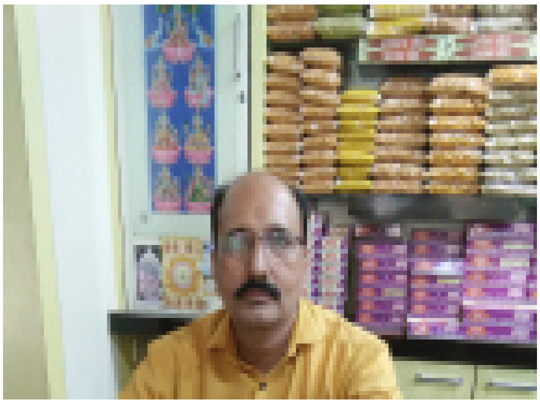

अमरावती- ज़ीवन में सफलता के बाद भी जिनके पैर जमी पर होते हैं, ऐसे लोगों की संख्या तेजी से घट रही है. लेकिन सुख्यात समाजसेवी, सफलतम व्यवसायी रामेश्वर उपाध्याय ऐसे ही व्यक्ती हैं. व्यवसाय में चोटी पर रहने के बाद भी उनकी सादगी और विनम्रता किसी को भी प्रभावित करती है. वे आदर्श व्यक्ति के साथ ही संबंधों को निभाने वाले व्यक्ति हैं. यही कारण है कि हजारों मित्रों का परिवार उन्होंने तैयार किया है. उनके कुशल नेतृत्व में संचालित उपाध्याय मिठाईयों के साथ विनय ड्रायफ्रुटस को ग्राहकों का अपार प्रेम मिला है. ग्राहकों के विश्वास को वे जहां जहां सबसे बड़ी कमाई मानते हैं, वहीं धार्मिकता से ओतप्रोत रहने वाले रामेश्वर उपाध्याय का कहना है कि जीवन में संस्कार जरूरी हैं. वही इंसान को सदैव आदर्श इंसान बनाते हैं. जहां सामाजिक कामों में अग्रणी रहते हैं, वहीं दूसरी ओर उपाध्याय परिवार आज व्यवसाय के क्षेत्र में भी सबसे आगे है. उनके कुशल नेतृत्व में संचालित सभी प्रतिष्ठानों ने ग्राहकों का विश्वास जीता है. शहर ही नहीं तो समूचे जिले तथा विदर्भ में बेहतरीन मिठाईयों के मामले में सुख्यात जवाहर गेट के भीतर स्थित उपाध्याय घीवर वर्क्स नाम का मोहताज नहीं है. बेहतरीन स्वाद के साथ ही रियायती कीमतों, गुणवत्ता से समझौता नहीं करने जैसी खूबियों के कारण उपाध्याय मिठाईयां एवं घीवर वर्क्स के साथ ही उपाध्याय ड्रायफ्रूटस ग्राहकों के लिए पहली पसंद बना है. दुकान खुलने से लेकर बंद होने तक ग्राहकों की भीड़ सदैव रहती है. कोरोना महामारी के दौरान यहां आने वाले ग्राहकों को जहां कोरोना बचाव की उपाय योजना बताने का काम किया जाता था, वहीं दूसरी ओर प्रतिष्ठान के संचालक रामेश्वर उपाध्याय समाज के साथ ही शहर के सेवाभावी कामों में भी सदैव योगदान देने के लिए तत्पर रहते हैं. प्रतिष्ठान की स्थापना से लेकर लगातार ग्राहकों का प्यार और विश्वास बढ़ने को वे अपनी असली कमाई मानते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए वे बताते हैं कि आज शहर ही नहीं तो राज्यभर से ग्राहक यहां आते हैं. एक बार आने वाला ग्राहक गुणवत्ता और स्वाद का मुरीद हो जाता है. शहर के सुख्यात व्यवसायी उपाध्याय ड्रायफ्रूट के संचालक एवं सुख्यात समाजसेवी रामेश्वर उपाध्याय के मुताबिक सेवा से बड़ा परमार्थ का काम नहीं हो सकता है. इसलिए हर व्यक्ति को अपने स्तर पर सेवा करते हुए जितना संभव हो सके, सामाजिक कामों में भी योगदान देना चाहिए. रामेश्वर उपाध्याय व्यवसायके साथ ही सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. आदर्श आदर्श विचार और संस्कार जीवन में कभी पीछे नहीं लेकर जाते हैं. पहले और आज के दौर में जमीन आसमान का अंतर रहने की बात वे स्वीकार करते हैं. उनके मुताबिक पहले लोगों के पास पैसे कम थे लेकिन आत्मीयता अधिक थी. लोगों के चेहरे एक थे. लेकिन आज स्थिति अलग रहने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि लेकिन यह भी संतोष की बात है कि आज भी समाज में अच्छे, समझदार तथा समाज के लिए कुछ करने की मानसिकता वाले लोग हैं. ब्राह्मण समाज के सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले रामेश्वर उपाध्याय मिलनसार स्वभाव के जहां धनी है, वहीं दूसरी ओर गरीबों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. उनके मुताबिक प्रेम, आत्मीयता ऐसे इत्र हैं, जिनकी खुशबू लगातार बढ़ती रहती है. इतना ही नहीं तो जब हम किसी को प्रेम देते हैं तो उसका उत्तर हमें उसी रूप में मिलता है. सुबह राशन दुकान खुलने से लेकर बंद होने तक सदैव लोगों को सही मार्गदर्शन करने के साथ ही अन्य बातों पर भी जानकारी देते हैं. राशन के साथ ही मानवता की सेवा में सदैव लगे रहते हैं.

समाजसेवी रामेश्वर उपाध्याय चाचा की सादगी,विनम्रता किसी को भी प्रभावित करती है.सामाजिक के साथ ही शैक्षिक गतिविधियों में जहां लगे रहते हैं, वहीं दूसरी ओर गरीब छात्रों को सहायता करने में भी आगे रहते हैं.उनके मुताबिक समाज के हर व्यक्ति को अपनी तरह से सामाजिक कामों में सहयोग देने तथा इसका हिस्सा बनने का प्रयास करना चाहिए.शून्य से व्यवसाय के क्षेत्र में आसमानी कामयाबी हासिल करने वाले रामेश्वर उपाध्याय के मुताबिक आज खेल-कूद की बजाय बच्चे मोबाइल पर अधिक लगे रहते है, वे इसी तरह आगे बढ़ें, यही कामना.

ग्राहकों की उम्मीदों पर सदैव खरा उतरा है श्रद्धा साड़ी और मॉल

अमरावती, 12 फरवरी- शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर पर सुख्यात श्रद्धा साड़ीज के साथ ही बिजीलैंड स्थित होलसेल फेमिली शॉपिंग मॉल ग्राहकों की अपेक्षाओं में सदैव खरा साबित हुआ है. यही कारण है कि न केवल जिले बल्कि पड़ोसी मध्य प्रदेश तथा अन्य क्षेत्रों से भी ग्राहक यहां पर खरीदी के लिए आते हैं. प्रतिष्ठान में जहां एक ही छत के नीचे सब कुछ उपलब्ध हो जाता है, वहीं वैरायटी के साथ ही साधारण से लेकर महंगी साड़ियों के अलावा ड्रेस मटेरियल तथा शादी-विवाह के लिए जरूरी हर कपड़े यहां समुचित कीमत में मिल जाते हैं. ग्राहकों के विश्वास को ही संचालक अपनी सबसे बड़ी कमाई मानते हैं. उनके मुताबिक ग्राहकों का यही अपार विश्वास ही श्रद्धा साड़ीज तथा बिजिलैंड स्थित शॉपिंग मॉल की सफलता का सबसे बड़ा कारण है. ग्राहकों को देवता मानने तथा बेहतरीन तत्पर सेवा के साथ ही ग्राहकों की पसंद के मुताबिक वैरायटी उपलब्ध कराने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. यहां साल भर कुछ न कुछ ग्राहक हितैषी योजनाएं चलायी जाती हैं, इसे भी ग्राहकों का सदैव प्रतिसाद मिलता है. दो साल पहले प्रतिष्ठान द्वारा शुरू किए गए महाकैश बैक धमाका को ग्राहकों ने जिस तरह से प्रतिसाद दिया था, वह आज भी यादगार रहा है. ग्राहक यहां शुरू होने वाली हर योजना का इंतजार करते हैं. महिलाओं के लिए तो सबसे पसंदीदा प्रतिष्ठान के रूप में श्रद्धा साड़ीज के साथ ही बिजीलैंड स्थित होलसेल फेमिली शॉपिंग मॉल को माना जाता है. यहां ग्राहकों की सदैव भीड़ रहती है. ग्राहकों के विश्वास को अपनी कमाई मानते हुए संचालकों द्वारा सदैव अपडेट फैशन के साथ रहने और ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं देने काप्रयास किया जाता है. ग्राहकों को अधिकाधिक लाभ देने की दिशा में प्रयास संचालक पूरण लाल एवं बंधुओं द्वारा किया जा रहा है. उनके मुताबिक ग्राहकों का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है.

आगामी समय में आने वाले विभिन्न त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए शमय के साथ ग्राहकों की चाहतों और जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया जाता है. प्रतिष्ठान की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां पर सदैव ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए व्यापक स्टॉक उपलब्ध कराया जाता है. त्यौहारों की खुशियों को दुगुना करने के लिए तथा ग्राहकों को अधिकाधिक लाभ देने का सदैव प्रयास किया जाता है. महिलाओं की अपार पसंदीदा प्रतिष्ठान के रूप में तखतमल इस्टेट स्थिति श्रद्धा साड़ी का जिक्र किया जाता है. एक बार भेंट देकर अनुभव लेने का आग्रह किया है.

विदर्भ स्वाभिमान
वार्ड संवाददाता चाहिए
अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से कमीशन के आधार पर कमाई भी कर सकते हैं.
संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.
- संपर्क -
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती
मो. 9423426199, 8855019189

भक्तिधाम में आनंद महाराज की श्रीराम कथा 18 से

अमरावती-धार्मिकता के साथ ही सेवाभाव के लिए समूचे विदर्भ तथा राज्य में पहचान रखने वाले बडनेरा रोड के भक्तिधाम मंदिर में 9 दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन 18 फरवरी से किया गया है. जलाराम सत्संग मंडल द्वारा महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर 9 दिवसीय संगीतमय श्रीरामचरित मानस कथा प्रयागराज निवासी आनंद महाराज (मानसप्रेमी) सुनाएंगे. प्रतिदिन दोपहर 3.30 से रात 7.30 बजे तक मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम के जीवन आदर्शों की कथा सुनाएंगे. इसका भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

कार्यक्रम की कड़ी में सर्वप्रथम मंगलवार 18 फरवरी को दोपहर 1.30 बजे भक्तिधाम मंदिर परिसर में पोथी पूजन होगा. पश्चात प्रयागराज निवासी प.पू. आनंद महाराज (मानसप्रेमी) के मुखारविंद से दोपहर 3.30 बजे कथा प्रारंभ होगी. 18 फरवरी को श्रीरामचरित मानस महात्म्य, बुधवार को सती चरित्र, शिव-पार्वती विवाह, गुरूवार को नारद मोह प्रसंग, श्रीराम जन्मोत्सव, शुक्रवार 21 फरवरी को अहिल्या उद्धार, फुलवारी प्रसंग, शनिवार, 22 फरवरी को धनुष भंग, श्रीराम-जानकी विवाह महोत्सव, रविवार 23 फरवरी को वनगमन, केवट प्रसंग सोमवार 24 फरवरी को भर चरित्र, शबरी चरित्र, मंगलवार 25 फरवरी को बालि वध, लंका दहन तथा बुधवार, 26 फरवरी को रावण वध, श्रीराम राज्याभिषेक के प्रसंग का विवेचन आनंद महाराज करेंगे. 26 फरवरी को सुब 9.30 से दोपहर 12.30 बजे तक कथा होगी. इसके बाद महाप्रसाद के साथ संगीतमय श्रीराम कथा का समापन होगा. जलाराम सत्संग मंडल ने भक्तों से इस कथा का लाभ लेने,जीवन धन्य करने का आग्रह किया.

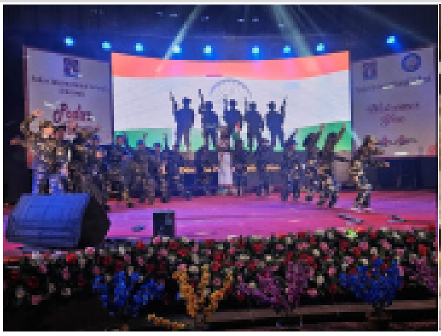

अभूतपूर्व,अद्भुत रहा पोदार इंटरनेशनल का वार्षिकोत्सव

भक्तिभाव से लेकर राष्ट्रप्रेम तक के कार्यक्रमों ने समां बांधा, पोदार उत्सव फ्रेंडशिप कोड थीम की शहर में धूम

विदर्भ स्वाभिमान, 12 फरवरी

अमरावती-शहर ही नहीं तो शिक्षा के क्षेत्र में समूचे विदर्भ में सुख्यात पोदार इंटरनेशनल बेहतरीन शिक्षा के साथ ही छात्रों को सभी सुप्त गुणों को भी मंच प्रदान करने वाले विद्यालय के रूप में सुख्यात है. इसका अनुभव पोदार इंटरनेशल विद्यालय का वार्षिकोत्सक रहा. स्थानीय पोदार इंटरनेशनल स्कूल का बहुप्रतीक्षित स्नेह सम्मेलन पोदार उत्सव गत दिनों संत ज्ञानेश्वर सांस्कृतिक भवन में सम्पन्न हुआ. यह आयोजन 5 दिन के 9 इवें टस के माध्यम से सम्पन्न हुआ. इसमें सर्वधर्म समभाव, अर्धनारी नटेश्वर , ऑल प्रोफेशन की विशेष प्रस्तुती ने अभिभावकों को भावविभोर कर दिया. इसके साथ-साथ फ्रेंडशिप कोड थीम के अंतर्गत कृष्ण-सुदामा मित्रता, पार्टी डांस, ऑल इज वेल, फ्रेंडशिप रिमिक्स, हम तो हैं आंधी, नैनो दा कसूर, बिन बोले मन डोले, हिंदी फ़्यूजन, जय जवान, जय किसान और जय विज्ञान, जय संविधान के माध्यम से छात्रों ने उपस्थितों को मंत्रमुग्ध कर दिया. एकसे बढ़कर एक प्रदर्शन छात्रों ने करते हुए शिक्षकों के साथ ही अभिभावकों का भी दिल जीत लिया.विद्यालय में शिक्षा के साथ ही छात्रों को खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में किस तरह से निपुण किया जाता है, इसका अनुभव उपस्थित अभिभावकों ने लिया और प्राचार्य सुधीर महाजन तथा टीम के प्रयासों की सराहना की.

विद्यालय के प्राचार्य सुधीर महाजन के नेतृत्व में और सभी शिक्षकों के बेहतरीन प्रयासों का परिणाम कार्यक्रम प्रस्तुतीकरण के दौरान दिखाई दे रहा था. इसके साथ-साथ छात्रों द्वारा संगीत विभाग के मार्गदर्शन में कराओके के माध्यम से उपस्थितों को मंत्रमुग्ध किया. पोदार उत्सव में विशेष अतिथि के रूप में पोदार एज्यूकेशन नेटवर्क मुंबई के चीफ ऑफीसर सुरेश शिवलकर,महाप्रबंधक अमन टेमुर्डे तथा योगेश म्हात्रे, प्रवीण आहूजा, वंदना पटेल इंदौर, एस.एन. साहू, लकी सादरानी, मनीषा संगर, डॉ. नैना कडू, सुशांत दांडगे, अनिल छाड़ी, निर्मला महाजन बुरहानपुर, सुभाष राठी तथा पीटीए सदस्य के तौर पर धीरज देशमुख, डॉ. अमित क्षार, सुलक्षणा सरदेशमुख, प्रियंका सपकाल,विक्रम चांडक, स्नेहल झंवर,सचिन जगताप, अनिता शर्मा, विक्की बोहरा, आशीष निंबर्ते , निलेश तलोकार, लवीना दलवानी, जयश्री घुरडे, उमेश खैरकर, शेख अनीस शेख गुलाब सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे. सभी ने छात्रों द्वारा प्रस्तुत कलाओं की सराहना करते हुए अभिनंदन किया.

भव्य पांच दिवसीय नौ इवेंट्स के आयोजन में पोद्दार एज्यूकेशन नेटवर्क द्वारा छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु किए जा रहे अभिनव उपक्रमों से उपस्थितों को अवगत कराया. पोद्दार उत्सव के अलग-अलग 9 सत्रों का

सूत्र संचालन विशाखा सावरकर, तुबा शेख, अंशू पांडे, पंढरी अंभोरे, रेश्मा तनवानी, जीतेन्द्र बुटे, सारिका सालपे, मुक्ता घुंडियाल, विजेता वानखडे, रूपाली गव्हाणे, सपना रिचारिया, रोशनी लोणकर, सदफ अली द्वारा किया गया. आभार प्रदर्शन डॉ. आशीष भेटालू, डॉ. आशीष खुले, सोनाली गवई, शक्तीस्वरूप गुप्ता, भूषण पथे, रोशनी दर्जी , प्रज्ञा दर्जी द्वारा किया गया. उपप्राचार्य अर्चना देशपांडे एवं अपर्णा शेलके द्वारा विद्यालय की उपलब्धियों से सभी को अवगत कराया गया.

प्राचार्य सुधीर महाजन ने अपने भाषण में विद्यार्थियों को संस्कारवान विशेषज्ञ, सृजनशील,कर्तव्यदक्ष, नम्र एवं सुजान नागरिक बनाने पर विद्यालय की संकल्पबद्धता से सभी को अवगत कराया. भव्य आयोजन के लिए अभिभावकों द्वारा शाला प्रबंधन की मुक्त कंठ प्रशंसा की गई. पोद्दार उत्सव को सफल बनाने के लिए प्राचार्य सुधीर महाजन के नेतृत्व में उपप्राचार्य अर्चना देशपांडे तथा अपर्णा शेलके,प्रियंका देशमुख, रूपेश भेले, शीतल हिरूळकर, प्रशांत शेलके, अमित शिरभाते, वैभवी बोडे, प्रणव डांगे, कुंजल लोखंडे, डॉ. नैना दापुरकर, अमित कपूर, मंगेश गडलिंगे तथा पोद्दर फैकल्टी द्वारा विशेष प्रयास किया गया. छात्रों के साथ अभिभावकों के लिए भी यादगार रहा.

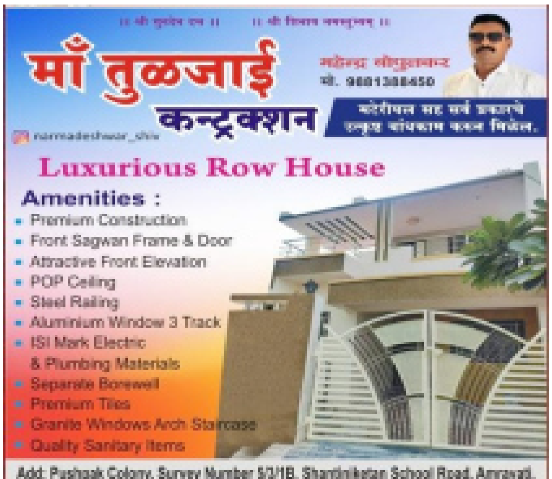

गुरूवार 13 से 19 फरवरी 2025

मेष

समय का सही उपयोग ही आपके भाग्य को चमका सकता है. इस मामले में कोशिश करनी जरूरी है. आम तौर पर बहुत चतुर स्वभाव के होते हैं. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं. किसी बात को तब तक नहीं स्वीकार करते हैं, जब तक इनका खुद का नुकसान नहीं हो रहा हो. नया साल भाग्यदायी साबित हो सकता है.

वृषभ

धार्मिक कार्यों में रूझान बढ़ने वाला है. सभी से प्रेम से रहना अच्छा रहेगा. गुस्सा नुकसान कर सकती है. स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है. परिवार में किसी अपने का दुखद समाचार प्राप्त होगा. पत्नी से मतभेद हो सकते हैं.

मिथुन

थोड़ी सी मेहनत भी आपको कामयाबी दिला सकती है. रिश्तों में विवाद टाले. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. वाहन चलाते समय सावधानी बरतना जरूरी है.

कर्क

दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ

वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, नाहक तनाव नहीं पालें. स्वास्थ्य के मामले में ध्यान देना जरूरी है. इस सप्ताह प्रभु की कृपा से बड़ा काम हो सकता है. किसी से नाहक विवाद करने से बचें.

संघर्ष से मिली सफलता स्थायी रूप से टिकती है

विदर्भ स्वाभिमान,12 फरवरी

अमरावती- ज़ीवन में संघर्ष, मेहनत, ईमानदारी और समर्पण से प्राप्त सफलता जीवनभर टिकती है. लेकिन शार्टकट, सेटिंग से हासिल की गई सफलता अधिक समय तक नहीं रहती है. सकारात्मक सोच का जीवन में अत्याधिक महत्व होता है. जो लोग जीवन में ईमानदारी से बिना किसी का दिल दुखाए अपने काम को समर्पित भावना से करते हैं, वे असफल नहीं हो सकते हैं. छात्रों को आदर्श संस्कार के साथ ही बचपन से ही उन्हें हमारी संस्कृति और विश्वस्तर की खूबियों के बारे में सूचित करना चाहिए. ऐसा करने से निश्चित तौर पर हम आदर्श नागरिक बना सकेंगे. इस आशय का मत राष्ट्रीय स्तर के विद्वान, छात्रों के जीवन को संवारने में सदैव समर्पित रूप से काम करने वाले पोद्दार इंटरनेशनल के प्राचार्य सुधीर महाजन ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छी सोच और मेहनत ही हर तरह की कामयाबी दिलाती है. इसलिए सदैव अच्छी सोच के साथ ही दूसरों को खुशी देने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से हमारी खुशी बढ़कर हमें मिलती है. जिंदगी किसी चुनौती से कम नहीं है, लेकिन सकारात्मक सोच जिंदगी को खुशनुमा बनाती है. इस आशय का मत पोदार इंटरनेशनल विद्यालय के प्राचार्य और राष्ट्रीय स्तर के सुख्यात वक्ता सुधीर महाजन ने किया. उनके मुताबिक खुशियां देने से बढ़ती है. उसी तरह जब हम किसी को सम्मान देते हैं, प्रेम देते हैं तो वह बढ़कर हमें मिलती है. ऐसी सोच ही विश्व में भारत को आगे बढ़ाएगी. खुशी ही ऐसी खूबी है जो देने वाले को भी मिलती है और जिसे हम देते हैं, उसका भी उसी अंदाज में उत्तर मिलता है. इसलिए जितना संभव हो सके, खुशियां बांटने का प्रयास करना चाहिए.आदर्श प्राचार्य के साथ ही भारतीयता और भारतीय संस्कारों को अत्याधिक महत्व देने वाले सुधीर महाजन के मुताबिक जितना संभव हो सके, हम जिस भी क्षेत्र में हैं, उसमें जान झोंककर कार्य करें और अपने पद के साथ न्याय करने का प्रयास करें. हर व्यक्ति जिस दिन ऐसा करेगा, भारत को फिर से सोने की चिड़ियां बनाने में कोई नहीं रोक सकेगा. खुशियां हममे ही समाहित रहती हैं. इसलिए सदैव खुश रहने के साथ ही अपने इर्द-गिर्द वालों को भी खुशियां देने का प्रयास जब किया जाता है तो हमारी खुशियां बढ़ती जाती हैं.उनके मुताबिक जब हम

खुशियां देने का काम करते हैं तो वह हमारे पास बढ़कर लौट कर आती हैं. इसका अनुमान हमारे प्रसन्न और नाराज चेहरे को देखकर सहज लगाया जा सकता है. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब हम प्रसन्न होते हैं तो यह हमारे चेहरे से भी दिखाई देता है. खुशियों के कारण शरीर में अपार उर्जा का संचार होता है. लेकिन गुस्से में हमारा ही चेहरा खराब दिखाई देता है.प्रेरणादायी स्पीकर के रूप में यू ट्यूब पर उनके टिप्स को लाखों लोगों द्वारा सुना जाता है. वे कहते हैं कि संघर्ष,समर्पण ही सफलता की कुंजी होती है. ऐसे में सदैव ईमानदारी से अपना काम करते रहना चाहिए.

प्रकटोत्सव शुरू, श्रीमद् भागवत कथा आरंभ

विदर्भ स्वाभिमान,12 फरवरी

अमरावती-प्रतिवर्षानुसार ही इस वर्ष भी स्थानीय श्री सद्गुरू गजानन महाराज मंदिर प्रभात कॉलोनी में श्री सद्गुरू गजानन महाराज के 147वें प्रकट दिन के उपलक्ष्य में सप्ताह भर संगीत श्रीमद् भ ागवत कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह का आयोजन किया गया है. इसमें गजानन महाराज वायकर भाविकों को श्रीमद् भागवत कथा सुनाएंगे.गुरूवार से प्रकटोत्सव की शुरूवात हुई है. छाया कॉलोनी, प्रभात कॉलोनी, साईंनगर के साथ ही शहर के सभी गजानन महाराज मंदिरों में विभिन्न कार्यक्रम होगा.

गुरुवार 13 फरवरी को सुबह 5.30 बजे कलश स्थापना की गई. 13 से 15 फरवरी को सुबह 10 से 12 ब जे तक सुनंदाताई ठाकरे सामुहिक पारायण करवाएंगी. जबकि कथा का समय 13 से 19 फरवरी तक दोपहर 3 से 6 बजे का है. कथा प्रवक्ता गजानन महाराज वायकर धार्मिक के साथ ही सामाजिक बुराईयों पर भी प्रहार कर ते हैं. उनके साथ गायक तथा कीबोर्ड वादक अमोल शिरसाट एवं योगेश ससनकर तबले पर साथ देंगे. श्रीमद् भागवत कथा के अलावा दोपहर में महिलाओं का भजन कार्यक्रम होगा. 15 फरवरी की रात्रि 8 से 9.30 बजे

तक भक्ति संगीत का कार्यक्रम होगा. नादकमल प्रस्तुत इस कार्यक्रम में सुरमयी कमल भोंडे, डॉ. मीनल ठाकरे, डॉ. नेत्रा तेल्हारकर, प्रा. सोनाली शिलेदार तथा संगीत टीम सहभागी होगी. सोमवार 17 फरवरी को रात्रि 8 से 9.30 बजे तक कविता गुर्जर तथा सहयोगियों द्वारा भक्ति संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा. भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है. गुरूवार 20 फरवरी को सुबह 7 से 9 बजे तक ज्ञानेश्वर महाराज पातशे का गोपाल काला कीर्तन तथा 12.30 से 2.30 बजे तक मह प्रसाद कार्यक्रम होगा. दोपहर 4 से 7 बजे तक श्री की पालखी शोभायात्रा तथा रात्रि 8 बजे श्री की आरती तथा प्रसाद वितरण कार्यक्रम होगा. अधिकाधिक संख्या में भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

गुणवत्ता *विश्वसनीयता* *तत्पर सेवा*

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटसचे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क्री विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

घर का सपना आपका, पूरा करने में योगदान करते हैं हम

थोक की दर में निर्माण साहित्य का विश्वसनीय स्थान